राजस्थान वानिकी एवं जैव विविधता परियोजना (फेज–2)

JICA द्वारा ऋण एवं राज्य सरकार की वित्तीय सहायता से संचालित

संवाद पत्र

अंक - 11-12 जुलाई से सितम्बर 2018/अक्टूबर से दिसम्बर 2018

जायका दल द्वारा परियोजना क्षेत्रों का अवलोकन

जायका इंडिया के सीनियर रिप्रेजेन्टेटिव श्री तोरु उमाची एवं लीड डेवलपमेंट स्पेशलिस्ट श्री अनुराग सिन्हा के दो सदस्यीय दल ने 26 से 28 सितम्बर 2018 के दौरान जोधपुर और जैसलमेर में परियोजना क्षेत्रों का भ्रमण किया तथा परियोजना गतिविधियों के क्रियान्वयन का निरीक्षण किया। इस अवसर पर अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं परियोजना निदेशक श्री पी. के. उपाध्याय तथा मुख्य वन संरक्षक जोधपुर श्री आर. एस. शेखावत भी उनके साथ रहे।

दल ने सर्वप्रथम माचिया बायोलॉजिकल पार्क का भ्रमण किया तथा विभाग द्वारा पथरीली भूमि पर हरे भरे पेड़ लगाने के सफल प्रयास की सराहना की। दल ने पार्क में आये पर्यटकों की संख्या तथा उनसे संगृहित राशि पर संतोष व्यक्त करते हुए पार्क में आकर्षक एवं जानकारी देने वाले साइनबोर्ड लगाने का सुझाव दिया। पर्यटकों की संख्या देखते हुए पार्क में एक सौवेनिएर शॉप भी खोलने का सुझाव दिया गया जिसमें परियोजना अंतर्गत गठित स्वयं सहायता समूहों द्वारा उत्पादित वस्तुओं को बिक्री हेतु उपलब्ध करवाया जा सके। JOCV प्रोग्राम के तहत वालंटियर नियुक्त करने के प्रस्ताव पर भी चर्चा की गई।

दल ने डेजर्ट नेशनल पार्क जैसलमेर में गोडावण संरक्षण के लिए क्रियान्वित गतिविधियों का निरिक्षण किया तथा जानकारी हासिल की। भ्रमण के दौरान दल को 4 गोडावण भी संरक्षित क्षेत्र में विचरण करते हुए नजर आये। जायका इंडिया के दल ने डी.डी.पी. जैसलमेर में बलदाद की बस्ती, ग्राम्य वन सुरक्षा एवं प्रबंध समिति का दौरा किया तथा समिति सदस्यों से वार्तालाप किया। अपने भ्रमण के दौरान जायका दल ने परियोजना निदेशक से परियोजना के अन्य घटकों के प्रगति पर विचार विमर्श किया तथा अब तक की उपलब्धियों पर संतोष व्यक्त किया। दल ने परियोजना समाप्ति उपरान्त परियोजना अंतर्गत निर्मित परिसम्पतियों के रख रखाव को सुनिश्चित करने पर जोर दिया। आय सृजन गतिविधियों के निर्बाध संचालन को सुनिश्चित करने हेतु अन्य विभागों से समन्वय स्थापित करने का आग्रह किया गया। परियोजना समाप्ति पर कार्पस फण्ड के उपभोग एवं संचालन हेतु दिशानिर्देश जारी करने के लिए कहा गया।

दल ने परियोजना गतिविधियों के क्रियान्वन का इम्पैक्ट असेसमेंट स्टडी करवाने के निर्देश दिए। साथ ही परियोजना की उपलब्धियों का प्रलेखीकरण कर उनका प्रचार प्रसार करने का भी सुझाव दिया गया।

परियोजना निदेशक की कलम से ...

वित्तीय वर्ष 2018–19 के द्वितीय एवं तृतीय त्रैमास में भविष्य से जुड़े कई मुद्दों पर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गये। सर्वप्रथम वर्तमान परियोजना के समय अभिवृद्धि का प्रस्ताव उच्चाधिकार समिति के अनुमोदन पश्चात् सक्षम स्तरों से अनुमोदन हेतु राज्य सरकार को भेज दिया गया है। विभाग के द्वारा क्रियान्वित होने वाली नवीन परियोजना का प्रारूप सभी संबंधित अधिकारियों से दो बार विचार विमर्श उपरांत, अपने अंतिम चरण में है जिसे शीघ्रातिशीघ्र सक्षम स्तरों से अनुमोदन हेतु भेज दिया जावेगा। इसके अलावा पूर्व में उच्चाधिकार समिति द्वारा दिए गये दिशानिर्देशों की अनुपालना में अरावली भवन में सौर ऊर्जा विद्युत संयत्र का शुभारंभ कर दिया गया और अन्य वन मंडल में स्थित कार्यालयों में सौर ऊर्जा विद्युत संयत्र लगाने के प्रस्ताव के अनुमोदन पश्चात कार्य प्रारंभ कर दिया गया है।

परियोजना के अवशेष कार्यावधि में मुख्य कार्य वृक्षारोपण संवर्धन के साथ साथ परियोजना अंतर्गत निर्मित परिसम्पतियों के रख रखाव को सुनिश्चित करना रहेगा। इसके अलावा स्वयं सहायता समूहों की आत्म निर्भरता भी प्राथमिकता से सुनिश्चित करना होगा। इन उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए हमेशा की तरह आप सभी का सहयोग मिलेगा, यह मेरा विश्वास है।

नववर्ष की शुभकामनाओं सहित।

– **पी.के. उपाध्याय** (आई.एफ.एस)
अति.प्र.मु.व.सं. एवं परियोजना निदेशक

69वां राज्य स्तरीय वन महोत्सव 2018

69वां राज्यस्तरीय वन महोत्सव 28 अगस्त 2018 को बीड़ रावली, जामड़ोली, आगरा रोड़, जयपुर में आयोजित किया गया। तत्कालीन माननीय वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने पौधारोपण कर राज्य स्तरीय वन महोत्सव की शुरूआत की। इस अवसर पर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (हॉफ) श्री सी.एस. रत्नासामी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं वन तथा अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

राज्य स्तरीय वन महोत्सव के दौरान विभाग की उपलब्धियों पर एक प्रदर्शनी लगाई गई। विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत गठित स्वयं सहायता समूहों द्वारा बनाये गये उत्पादों को भी प्रदर्शित किया गया। तत्कालीन मंत्री महोदय ने विभिन्न स्वयं सहायता समूहों की महिला सदस्यों से बातचीत कर उनके कार्य के बारे में जानकारी प्राप्त की। प्रदर्शनी के दौरान राजस्थान

वानिकी एवं जैव विविधता परियोजना – 2 के अन्तर्गत प्रदेश के अनेक जिलों में संचालित स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पाद जैसे – मार्बल शिल्प, कैर–सांगरी संग्रहण, हल्दी उत्पादन, कशीदाकारी, लाख चूड़ी, कपड़ा बैग, रली, मिट्टी बर्तन दस्तकारी एवं हस्थकला उत्पादों का प्रदर्शन किया गया।

ग्रिड इंटरएक्टिव रूफ टॉप सोलर पीवी पावर प्लांट का शुभारम्भ

अरावली भवन में स्थापित ग्रिड इंटरएक्टिव रूफ टॉप सोलर पीवी पावर प्लांट का शुभारम्भ 24 सितम्बर 2018 को तत्कालीन माननीय मंत्री–वन, पर्यावरण, खेल एवं युवा मामलात, राजस्थान सरकार द्वारा किया गया। 60 किलोवॉट पावर के इस प्लांट को राजस्थान इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंस्ट्रूमेंट्स लिमिटेड (REIL) द्वारा स्थापित किया गया है। इसकी कुल लागत 39 लाख रूपए है और जिसे राजस्थान वानिकी एवं जैव विविधता परियोजना –2 के अरावली भवन स्थित परियोजना निदेशालय द्वारा वहन किया गया है। अरावली भवन में राजस्थान वानिकी एवं जैव विविधता परियोजना के अतिरिक्त भी विभाग के विभिन्न इकाईयों के कार्यालय संचालित हैं। वन विभाग के मुख्यालय (अरण्य भवन) में रूफ टॉप सोलर पावर प्लांट पूर्व से ही स्थापित है।

इस अवसर पर श्री कुलदीप रांका (तत्कालीन प्रमुख शासन सचिव वन), श्री सी.एस. रत्नासामी (प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं हॉफ), श्री जी.वी. रेड्डी (प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं मुख्य वन्य जीव प्रतिपालक), डॉ. सुरेश चन्द्र (प्रधान मुख्य वन संरक्षक–विकास), श्री पी.के. उपाध्याय (अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं परियोजना निदेशक, आरएफबीपी–2) सहित वन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

समीक्षा बैठक का आयोजन

परियोजना निदेशक राजस्थान वानिकी एवं जैव विविधता परियोजना–2 की अध्यक्षता में दिनांक 19.12.2018 को मण्डल प्रबंधन इकाईयों द्वारा विभिन्न घटकों के अन्तर्गत अर्जित प्रगति की समीक्षा बैठक का आयोजन परियोजना निदेशालय में किया गया। परियोजना निदेशक द्वारा समस्त वृक्षारोपण साईट्स पर समयबद्ध उचित संधारण सुनिश्चित करवाने के निर्देश दिये गये।

आजीविका संवर्धन एवं कृषि वानिकी आदि गतिविधियों में प्रगति सुनिश्चित करने हेतु नियोजित स्वयं सेवी संस्थाओं को प्रोत्साहित कर विशेष ध्यान देने हेतु निर्देशित किया गया। स्वयं सहायता समूह गठन, बचत बैंक खाते, गतिविधियों का चयन एवं ऋण राशि के उपयोग की समीक्षा करते हुये मप्रइकाईयों को स्वयं सहायता समूहों की लम्बित गतिविधियों को अविलम्ब चयन करवाने के निर्देश देते हुए प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये। मप्रई स्तर पर नियोजित स्वयं सेवी संस्थाओं के वित्तीय वर्ष के दौरान लम्बित कार्य अवधि विस्तार एवं प्रशासनिक मद के बजट की मांग पर चर्चा करते हुये अविलम्ब वांछित कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश प्रदान किये गये।

परियोजना समाप्ति से पूर्व गठित व.सु. प्र. समितियों/पा.वि. समितियों के रिफ्रेशर ट्रेनिंग करवाने एवं कॉरप्स फण्ड गाईडलाईन का अध्ययन कर ब्याज राशि के उपयोग हेतु नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये।

परियोजना निदेशक द्वारा मप्रई कार्यालयों में सोलर पावर प्लांट स्थापित करने की प्रगति की समीक्षा के दौरान परियोजना अन्तर्गत शेष रहे सभी मप्रइकाईयों को भी शामिल करने पर विचार करने का आश्वसन दिया गया।

जायका मिशन 2018 द्वारा दिये गये सुझावों की प्रति बैठक के दौरान सभी संबंधित परियोजना अधिकारियों को उपलब्ध करवाते हुये दिये गये सुझावों की समयबद्ध पालना एवं परियोजना के सभी कार्यो की नियमित मासिक समीक्षा रिपोर्ट इस कार्यालय को भिजवाने के भी निर्देश दिये गये।

नवीन परियोजना प्रारूप पर मंथन

उच्चाधिकार समिति के निर्देशानुसार विभाग द्वारा क्रियान्वित की जाने वाली नवीन वानिकी परियोजना का प्रारूप तैयार करने की कार्यवाही परियोजना निदेशालय द्वारा की जा रही है। इसके तहत 1 अगस्त 2018 को परियोजना निदेशालय मे एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमे प्रधान मुख्य वन संरक्षक (हॉफ), प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक, प्रधान मुख्य वन संरक्षक–विकास तथा विभाग के अन्य शीर्ष अधिकारियों ने भाग लिया। श्री पी. के. उपाध्याय (अति प्र.मु.व. सं. एवं परियोजना निदेशक आरएफबी पी–2) ने सभी प्रतिभागियों के समक्ष नवीन परियोजना का खाका प्रस्तुत किया। सभी प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तावित परियोजना ढाँचे के हर पहलू पर गहन विचार विमर्श किया गया तथा सुझाव दिए गये।

प्रथम बैठक मे दिए गये सुझावों का समावेश करते हुए संशोधित परियोजना प्रारूप पर विभाग के मुख्यालय अरण्य भवन मे 5 सितंबर 2018 को एक और बैठक का आयोजन किया गया। संशोधित परियोजना प्रारूप पर विचार विमर्श उपरांत सभी के द्वारा सैधान्तिक स्वीकृत प्रदान कर दी गई। शीघ्र ही परियोजना प्रस्ताव सक्षम स्तरों से अनुमोदन हेतु प्रेषित कर दिया जावेगा।

Project Financial Progress

Fin. : Rs. in Lacs

S.No.	Package / Budget Head	Project Budget	Expenditure upto FY 2017-18	FY 2018-19					Cummulative Expenditure
				RE	Exp. 1st Quarter (April'18 to June'18)	Exp. 2nd Quarter (July'18 to Sept'18)	Exp. 3rd Quarter (Oct.'18 to Dec.'18)	Cummulative Expenditure 2018-19	
1	Afforestation	42328	53625.83	2948.16	81.08	837.35	801.89	1720.32	55346.15
2	Agro Forestry Activities	163	67.25	64.52	0.00	0.00	0.00	0.00	67.25
3	Water Conservation Structures	4692	6011.80	247.50	0.00	108.80	41.29	150.09	6161.89
4	Biodiversity Conservation	8436	10959.03	980.57	0.00	7.32	41.56	48.88	11007.91
5	Poverty Alleviation and Livelihood Improvement	1689	691.41	296.24	0.00	5.50	44.15	49.65	741.06
6	Capacity Building, Training & Research	634	263.85	10.11	0.00	0.00	0.00	0.00	263.85
7	Community Mobilisation	6542	5234.42	165.40	0.79	10.51	7.27	18.57	5252.99
8	Project Management	2982	2016.12	234.70	16.99	28.68	24.01	69.68	2085.80
9	Monitoring & Evaluation	590	176.75	85.00	0.16	8.65	0.70	9.51	186.26
10	Contractual Personnel for PMU	1496	1213.69	220.00	67.56	34.47	62.20	164.23	1377.92
11	Price Escalation, Contingency, Consulting services	18926							
	Total	**88477**	**80260.15**	**5252.20**	**166.59**	**1041.28**	**1023.09**	**2230.96**	**82491.11**
11	Administrative Cost 9State Share)	26776	18182.00	147.80	19.53	43.61	30.26	93.40	18275.40
	Grand Total	**115253**	**98442.15**	**5400.00**	**186.12**	**1084.89**	**1053.35**	**2324.36**	**100766.51**

संपादक मण्डल: संरक्षक **पी.के. उपाध्याय** परियोजना निदेशक; संपादक **जी. के. वर्मा** संयुक्त परियोजना निदेशक (प्रभारी); तकनीकी संपादक **विमल कुमार जैन** वित्तीय सहायक; संयोजन **संयोग मिश्र**; साज-सज्जा **गिरधारी लाल चौधरी**

प्रकाशक : राजस्थान वानिकी एवं जैव विविधता परियोजना (फेज–2), अरावली भवन, झालाना संस्थानिक क्षेत्र, जयपुर (राज.) 302004, फोन : 0141–5199660

नोट : संवाद पत्र का 11वां अंक चुनाव आचार संहिता लागू हो जाने के कारण प्रकाशित नहीं किया गया था। अतः अंक 11 एवं 12 एक साथ प्रकाशित किये जा रहे हैं।